आदरणीय सांसद श्री लालूभाई बी. पटेल,

जिला पंचायत ना प्रमुख श्री केतनभाई पटेल,

दमण नगरपालिका ना प्रमुख श्री मुकेश पटेल,

विकास आयुक्त श्री संदीप कुमार,

पोलिस महानिरीक्षक श्री मनीष अग्रवाल,

मुख्य जिल्ला अने सत्र न्यायाधीश श्री रमेश आर. देशमुख,

संघ प्रदेश दमण एवं दीव वहिवटीतंत्र ना बधा सचिवो,

कलेक्टर, दमण,

मुख्य न्यायिक मेजिस्ट्रेट, श्री एस. पी. पॉल,

पूर्व सांसद श्री डाह्याभाई पटेल, श्री गोपालभाई टंडेल अने श्री देवजीभाई टंडेल,

दमण अने दीव ना सर्व स्वतंत्रता सेनानीओ,

बधा राजनीतिक दलों ना प्रमुख अने प्रतिनिधिगण,

चुंटायेल प्रतिनिधिगण,

सरकारी अधिकारीगण,

अहिं पधारेल उद्योगपतिगण,

प्रसार माध्यमो ना प्रतिनिधिगण,

भाईंयों, बहेनों अने

व्हाला बाळकों !

भारतवर्ष ना अड़सठमा (68) स्वतंत्रता दिवस ना पावन प्रसंगे, हुं दमण अने दीव नी जनता ने हार्दिक अभिनंदन पाठवु छुं अने ऐमना सुख अने समृद्धि नी कामना करू छुं तथा भारतवर्ष ना स्वतंत्रता संघर्ष मां अमूल्य योगदान आपनार सर्व बहादुर नामी-अनामी स्वतंत्रता सैनानियों अने सर्वे लोको ना प्रति आजे हुं आदर नी लागणी प्रगट करू छु ।

मुझे खुशी है कि भारत सरकार के माननीय गृह राज्यमंत्री श्री किरेन रिजेजू ने 3 अगस्त को इस प्रदेश का दौरा किया। हालांकि उन्होंने दीव में कुछ ही क्षण बिताये परंतु उन्होंने वहॉ न सिर्फ 25.5 करोड़ रूपये की लागत वाले नये 3MW सोलर पावर प्लांट और 9.5 करोड़ की लागत वाले बहुप्रतीक्षित नये तड ब्रिज की आधारशिला रखी बल्कि नये सारथी बस सेवा को भी हरी झंडी दिखायी और भारत के सर्वोत्तम साईकिल ट्रैक का उद्घाटन किया। संसदीय सत्र के कारण अत्यंत व्यस्तता के बावजूद भी

इस दौरे पर आने के लिए प्रदेश के लोगों की ओर से मैं माननीय गृह राज्यमंत्री को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ।

मुझे यह बताने में बेहद खुशी है कि श्री मनीष अग्रवाल, पुलिस महा-निरीक्षक को उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक एवं श्री ए.के. वाला अपर प्रभागीय अग्निशमन अधिकारी को उनकी सराहनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति अग्निशमन सेवा पदक प्रदान किया गया है । इन दोनों अधिकारियों को उनकी उत्तम उपलब्धियों के लिए मैं बधाई देता हूँ।

आप सब जानते हैं कि दमण एवं दीव तथा दादरा एवं नगर हवेली के प्रशासक के रूप में 2 वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के बाद मैं तबादले पर अपने अलग कार्यक्षेत्र के लिए जा रहा हूँ । मुझे खुशी है कि पिछले दो वर्षों के दौरान हमने इस संघ प्रदेश के सभी क्षेत्रों में विकास करने में सफलता प्राप्त की है। मैं उनमें से कुछ उल्लेखनीय उपलब्धियों के बारे में बताना चाहता हूँ।

संघ प्रदेश की बुनियादी सुविधाओं को जारी रखने के लिए ध्यान दिया गया है। अप्रैल, 2012 से हमने सड़क और पुल निर्माण के कार्यों में 200 करोड़ से अधिक राशि खर्च की है। दमण एवं दीव में पहली बार के लिए National Highway को इसी मई महीने में विस्तारित किया गया है। दीव-घोघला का दूसरा पुल तथा नये Tad Bridge का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। दमण में दमणगंगा नदी पर इस समय केवल एक ही Bridge अर्थात राजीव गॉधी सेतु है। पॉच और Bridge बनाने की हमारी योजना है। मेरी वित्तीय शक्तियों को 50 करोड़ तक बढ़ाये जाने की तिथि के दूसरे दिन 19 जुलाई, 2014 को कचीगाम-झरी पुल को 42 करोड़ रूपये की लागत से बनाने के लिए मैंने मंजूरी दी है। मोटी दमण एवं नानी दमण को जोडने वाले नये Pedestrian Bridge का निर्माण कार्य अक्तूबर, 2014 से शुरू हो जाएगा।

विद्युत क्षेत्र में संपूर्ण electric network को सुदृढ़ किया जा रहा है जिस पर पिछले 2 वर्षों से करीब 120 करोड़ रूपये खर्च किये जा चुके हैं। हमने दमण में 01 मेगावाट Solar Plant एवं दीव में 03 मेगावाट Solar Plant बनाने का कार्य शुरू कर दिया है । दीव में 06 मेगावाट का दूसरी Solar Plant बनाने के लिए भारत सरकार को प्रस्ताव भेज दिया गया है । दीव को दिसम्बर, 2015 तक अक्षय ऊर्जा (Renewable Energy) से पूरी तरह विद्युतीकरण करने का हमारा लक्ष्य है ।

हमने पीने के पानी के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं जिससे अगले 20-25 वर्षों की जरूरत को पूरा कर दिया जाएगा।

हमने Sewerage एवं Solid waste प्रबंधन आदि आधारभूत संरचना के विकास पर भी ध्यान दिया है। मोटी दमण एवं दीव में भूमिगत Sewerage परियोजना के लिए 56 करोड़ रूपये की मंजूरी दी गई है। हमने

नानी दमण सहित भीमपोर, दूनेठा, डाभेल, मरवड़, कडैया एवं कचीगाम में Sewerage System की design तैयार करने का काम शुरू कर दिया है ।

पूरे दमण एवं दीव में Solid waste प्रबंधन की design तैयार की गई है एवं इस हेतु कुल 30 करोड़ रूपये की मंजूरी दी गई है । आशा है कि दोनों जिले दिसम्बर, 2015 तक Waste free हो जाएंगे ।

जैसे आप सब जानते हैं कि मैंने हमेशा शिक्षा क्षेत्र को महत्व दिया है। हमने जुलाई, 2013 में दीव में प्रति वर्ष 180 विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा के लिए Arts एवं Commerce विषय शामिल करते हुए प्रथम degree college शुरू किया था । हमने 24 जुलाई, 2014 को 03 विषय पढने की सुविधायुक्त दीव polytechnic शुरू किया है । दीव में Education Hub के विश्वस्तरीय भवन का निर्माण जल्दी ही शुरू किया जाएगा। हम दमण में पिछले महीने ही Engineering College की शुरूआत

करने वाले थे, लेकिन हमें अंतिम क्षण में AICTE से अंतिम clearance नहीं मिल पायी थी। मैंने Engineering College के नये भवन के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है ताकि अगले वर्ष College की शुरूआत करने की अनुमति हमें मिल सके।

मेरा हमेशा यह प्रयास रहा है कि, स्कूली शिक्षा में teaching संबंधी infrastructure और गुणवत्ता को बेहतर बनाया जाए। इसी उद्देश्य से अधिकारियों ने सभी स्कूलों का निरीक्षण किया और पायी गई कमियों को दूर करने के लिए हम काम कर रहे हैं। गुणवत्ता में सुधार के लिए हमने सर्वोत्तम परियोजना की शुरूआत की है जिसके अंतर्गत कुल 118 सरकारी स्कूलों में से 40 स्कूलों को शामिल किया गया है। पहले 20 स्कूल दिसम्बर 2014 तक quality certification के लिए आवेदन करने हेतु तैयार हो जाऐंगे और मार्च 2015 तक उन्हें quality certification मिल जाऐगा। 42 स्कूलों के साथ दीव भारत का प्रथम जिला बन सकता है, जहॉ सभी

सरकारी स्कूल quality certified होंगे। पिछले वर्ष UDAAN लैपटॉप स्कीम शुरू की गई थी जिसे इस वर्ष हम जारी रखेंगे। अगले तीन महीनों में सभी स्कूलों में शिक्षकों के लिए हम biometric attendance शुरू करने जा रहे हैं।

आपको याद होगा कि मैंने सरस्वती विद्या योजना की घोषणा इस वर्ष की थी। इस योजना ने देश में छात्राओं की शिक्षा सुनिश्चित करने में एक नया मानक स्थापित किया है जिसके तहत सभी छात्राओं को नि:शुल्क शिक्षा दी जानी है और परिवार की आय या सामाजिक स्थिति पर विचार किये बिना 9वीं कक्षा से छात्राओं को छात्रवृत्ति भी दी जानी है। जब भी मैं इस योजना के बारे में देश में किसी को भी बताता हूँ तो हमें उनसे बहुत सराहना मिलती है क्योंकि किसी भी राज्य या अन्य संघ प्रदेश द्वारा अबतक इस तरह की व्यापक योजना को लागू नहीं किया गया है।

हम योजना आयोग के अनुमोदन की प्रतीक्षा कर रहे हैं, लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि हमें जल्दी ही मंजूरी मिल जाएगी।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमारा लक्ष्य प्रदेश के सभी नागरिकों को सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाऐं देना रहा है। हमने संजीवनी स्वास्थ्य बीमा योजना की शुरूआत की है जिसके तहत प्रदेश में अबतक लगभग 10,000 परिवारों ने अपना बीमा कराया है, जिनमें से 4300 परिवारों की वार्षिक आय एक लाख और उससे ऊपर है। मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि कई राज्यों की तुलना में संभवत: हमारी 108 आपातकालीन एम्ब्यूलेंस सेवा भारत में सर्वोत्तम है। इस सेवा से अबतक इस प्रदेश में 10,000 लोगों को लाभ पहुँचा है। हमने भारत की पहली 104 non-emergency मेडिकल सेवा भी शुरू की है ।

सरकारी सेवाऐं उपलब्ध करवाने में हमने कई पहल किये हैं। महत्वपूर्ण समय सुधिनी सेवा के अंतर्गत अब 18 विभागों की 125 सेवाऐं शामिल कर ली गई हैं। 51,000 से भी ज्यादा आवेदनों पर समयबद्ध तरीके से 90% सेवाओं का निपटारा किया जा चुका है। हमने हाल ही में दमण में सरल सेवा केन्द्रों की शुरूआत की है जहॉ लोग फार्म I एवं 14 की प्रतियां ले सकते हैं और बिजली बिल का भुगतान कर सकते हैं। जल्दी ही ऐसे सेवा केन्द्रों की शुरूआत हम दीव में भी करने जा रहे हैं। लोगों की परेशानियों को बड़े पैमाने पर दूर करने के लिए हमने affidavit या attested दस्तावेजों की जगह self-declaration / attestation को लागू किया है। Land Records को पूरी तरह से computerized कर दिया गया है और आप इसे हमारी अवंतिका वेबसाईट पर देख सकते हैं। Revenue Maps के GIS आधारित digitization की शुरूआत भी हम जल्दी ही करने वाले हैं।

यातायात की सुविधा को बढ़ाने के क्रम में सारथी बस सेवा और National Highway की घोषणा करने के अलावा मुक्ति के बाद पहली बार दमण एवं दीव के बीच विमान सेवा आरंभ करने की प्रक्रिया हमने शुरू की। आशा है कि रक्षा मंत्रालय से हमें इसके लिए जल्दी ही अनुमति मिल जाएगी। लोगों की मॉग पर Shipping Corporation of India और OIDC के बीच समझौते के जरिये दमण एवं दीव के बीच 150 यात्रियों की क्षमता वाली catamaran सेवा शुरू करने की प्रक्रिया हमने शुरू कर दी है। हम एक नया catamaran खरीदेंगे और सितम्बर 2015 में इस सेवा का आरंभ करेंगे। अगले साल तक विमान और catamaran सेवाओं से दमण और दीव सीधे तौर पर जुड़ जायेंगे।

जहॉ तक पर्यटन के विकास का सवाल है, तो 6 अगस्त को दिल्ली में माननीय केन्द्रीय पर्यटन मंत्री और माननीय गृह राज्यमंत्री के कर-कमलों से हमने पर्यटन को व्यापक पैमाने पर बढ़ावा देने की शुरूआत कर दी है। हमने 9 अगस्त को मुंबई में पर्यटन संबंधी एक बड़ा आयोजन किया जिसे सबने बहुत सराहा। हमारे नये पर्यटन अभियान को 13 अगस्त को लागू किया गया है और इससे देश के लोगों का ध्यान इस ओर आकर्षित हुआ है। मुझे पूरा विश्वास है कि इस विशेष प्रयास से प्रदेश में पर्यटन को बहुत लाभ एवं बढ़ावा मिलेगा।

साथ ही, हम मौजूदा पर्यटन स्थलों को बेहतर बनाने का काम कर रहे हैं और नये पर्यटन स्थलों के विकास की योजना बना रहे हैं। मैंने व्यक्तिगत प्रयासों से भारत सरकार को दीव में देश का पहला Oceanarium स्थापित करने के लिए राजी कर लिया है जिसकी अनुमानित लागत लगभग 500 करोड़ रूपये आने की संभावना है।

कचीगाम उद्यान के पुनर्विकास और बोरिया तालाब में पक्षी park के विकास के लिए हमने विस्तृत विवरण तैयार करने की शुरूआत की है।

हमने सितम्बर 2014 तक राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम को लागू करने का निर्णय लिया है। पहली बार हम प्रदेश में GDP के साथ-साथ मानव विकास Index की गणना करने जा रहे हैं, ताकि हम अपने विकास की तुलना अन्य राज्यों / संघ प्रदेशों से कर सकें।

दोस्तों, मैंने पिछले दो वर्षों की कुछ महत्वपूर्ण उलब्धियों का जिक्र किया है, जिसका यह मतलब नहीं कि इससे पहले के वर्षों में उपलब्धियां बहुत कम रही। इस प्रदेश ने मुक्ति के बाद से और विशेषकर पिछले दो दशकों में उल्लेखनीय प्रगति की, जो कि समन्वित प्रयासों का नतीजा है।

अकेले दम पर कुछ भी हासिल नहीं किया जा सकता है और पिछले 2 वर्षों के दौरान हमने जो प्रगति की है वह सभी जन-प्रतिनिधियों और समाज के सभी तबकों के लोगों के सहयोग एवं समर्थन के कारण संभव हुआ है। कोई भी राष्ट्र केवल संख्या से नहीं बनता। इसके लिए सभी को एक लक्ष्य की ओर प्रयास करना पड़ता है। इसलिए हमें हमेशा आगे बढ़कर और साथ मिलकर लक्ष्यों को हासिल करने की आवश्यकता है।

मैंने जो करने का प्रयास किया वह इस सोच का नतीजा है कि सबकुछ बेहतर तरीके से कैसे किया जाए और कम-से-कम समय में लक्ष्यों को कैसे हासिल किया जाए ताकि आम आदमी की जरूरतों को पूरा किया जा सके। इसके लिए हमने न केवल 6 महीने या साल या 2 साल बल्कि आगे आने वाले कुछ दशकों के लिए योजनाएं बनायी है।

हम कुछ चीजों में सफल हुए हैं । कुछ में सफल नहीं हो सके। लेकिन हमने ईमानदारी से कोशिश की है और प्रयास करना कभी नहीं छोड़ा।

मुझे पूरा विश्वास है कि अगर हम कोशिश नहीं करें तो हम कभी सफल नहीं हो सकते। और अगर हम शुरूआत ही न करें तो हम कभी भी कोई कार्य पूरा नहीं कर सकते। यह दुनिया एक दिन में नहीं बनी । यह हजारों वर्षों में मनुष्यों के छोटे-छोटे प्रयासों से बनकर तैयार हुई है। आईए, हम प्रदेश के विकास के लिए अपनी कोशिश जारी रखें और छोटे-छोटे कदम उठाते रहें।

मैं जल्द इस प्रदेश से विदा लेने वाला हूँ लेकिन इस सुन्दर प्रदेश की बहुमूल्य यादें मैं अपने साथ लेकर जाऊँगा। हरियाली, बारिश, समुद्र का किनारा, शुद्ध हवा, अपूर्व सुन्दरता; लेकिन सबसे महत्वपूर्ण, यहॉ के लोगों

की साधारण जीवन शैली और उनके सरल अनुरोधों के साथ उनका मेरा पास आना, मुझे सभी याद रहेंगे।

कभी-कभी मुझे काम की अधिकता चिंतित करती है, लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि अगर हम साथ-साथ कदम-से-कदम मिलाकर ठीक दिशा की तरफ चलें तो हम अपनी मंजिल तक पहुँच ही जायेंगे।

**निष्कर्ष:**
**Conclusion:**

**सोच को बदलो सितारे बदल जायेंगे**

**नजर को बदलो तो नजारे बदल जायेंगे,**

**मंजिलें पाना हो तो कश्तियां मत बदलना,**

**दिशा को बदलोगे तो किनारे बदल जायेंगे।**

**हूँ ऐ नथी जे मात्र स्वप्न मा मानू**

**आगमा स्वप्न ने पीगळेलु लोखण बनाऊँ छू ।**

**अने ऐना ऊपर पायो राखूँ छू नवा घर नो**

**आवी रीते मजबूत दीवाल ऊठाऊँ छू ।।**

**==== जय-हिन्द ====**